दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 73 | ग्वालियर, रविवार 2 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोविड-19 महामारी के चलते कृषकों को दी राहत

कृषकों की खरीफ 2020 के अल्पकालीन फसल ऋण अदायगी की तिथि बढ़ाकर 31 मई की गई

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया के अनुरोध पर कोविड-19 महामारी के चलते कृषकों को बड़ी राहत देते हुए खरीफ सीजन 2020 के अल्पकालीन ऋण की देयतिथि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई 2021 कर दी है। कोविड-19 महामारी की वर्तमान विषम परिस्थितियों एवं प्रदेश में विभिन्न फसलों के उपार्जन की राशि भुगतान कृषकों को किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। जिसके कारण राज्य शासन ने किसानों के हित में निर्णय लेते हुए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों द्वारा खरीफ 2020 में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़ाई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में खरीफ सीजन 2020 के अल्पकालीन फसल ऋण की देयतिथि को 28 मार्च से बढ़ाकर 30 अप्रैल 2021 किया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 31 मई 2021 कर दिया गया है।

डॉ. मिश्रा ने जिला चिकित्सालय के कोविड वार्ड के मरीजों से हालचाल जाना

ग्वालियर। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को दतिया के जिला चिकित्सालय का भ्रमण किया। उन्होंने पीपीई किट पहनकर जिला चिकित्सालय के कोविड वार्ड में भर्ती मरीजों से मिलकर उनका हालचाल जाना। डॉ. मिश्रा ने मरीजों से चर्चा करते हुए आश्वस्त किया कि सभी शीघ्र ही स्वस्थ होकर घर वापस चले जायेंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सक एवं नर्सेस द्वारा पूरी मेहनत एवं लगन से मरीजों का उपचार किया जा रहा है। डॉ. मिश्रा ने चिकित्सकों को मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए समुचित उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौर भी साथ रहे।

अब 30 अप्रैल के बाद भी ली जा सकेंगी अतिथि शिक्षकों की सेवायें

ग्वालियर। प्रदेश के सभी शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में रिक्त पदों के विरुद्ध कार्यरत अतिथि शिक्षकों और नवीन व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवायें 30 अप्रैल 2021 के बाद भी ली जा सकेंगी। आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत ने बताया कि कोरोना संक्रमण के कारण शैक्षणिक सत्र 2020-21 की बोर्ड परीक्षाएं संपादित नहीं होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी, विकास खंड शिक्षा अधिकारी और सभी प्राचार्यों को इस संबंध में आदेश जारी कर निर्देशित कर दिया गया है।

शासकीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं और 11वीं का परीक्षा परिणाम

15 मई तक घोषित करें

ग्वालियर। आयुक्त, लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत ने समस्त संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं समस्त संकुल प्राचार्य हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी को पत्र द्वारा निर्देशित किया है कि कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुये शासकीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं एवं 11वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम 15 मई 2021 तक घोषित करें। साथ ही परीक्षा परिणाम संबंधी जानकारी को विमर्श पोर्टल पर 20 मई तक दर्ज कराना सुनिश्चित करें।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा शासन के अधिकृत प्रवक्ता नामांकित

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को राज्य शासन का अधिकृत प्रवक्ता नामांकित किया गया हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा उक्ताशय का अधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोर ग्रुप के सदस्यों की बैठक ली

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना की शुरूआत पर ही इलाज प्रारंभ कर दिए जाने से यह पूर्ण रूप से ठीक हो जाता है, परंतु विलंब घातक हो सकता है। अतः थोड़े भी लक्षण दिखने पर तुरंत जाँच की जाए तथा जाँच के समय ही व्यक्ति को मेडिकल किट भी दे, जिससे कि उपचार प्रारंभ हो सके। लापरवाही बिल्कुल न करें, थोड़े लक्षण दिखते ही इलाज लें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि घर-घर सर्वे कर मरीजों की पहचान की जाए तथा सर्दी, जुकाम बुखार आदि लक्षण होने पर मेडिकल किट देकर इलाज प्रारंभ कर दिया जाए। अर्ली डिटेक्शन एंड क्योर की रणनीति पर चलते हुए हम प्रत्येक कोरोना मरीज़ को स्वस्थ कर सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार मध्यप्रदेश कोरोना पीक से नीचे आ रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना कोर ग्रुप के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में संबंधित मंत्रीगण तथा अधिकारी उपस्थित थे।

88,511 एक्टिव प्रकरण-प्रदेश में अब कोरोना के 88 हजार 511 एक्टिव प्रकरण हैं। पिछले 24 घंटे में एक्टिव

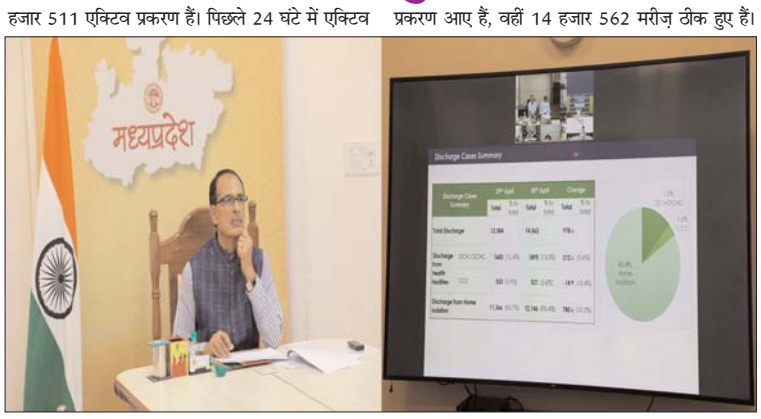

प्रकरणों में 2285 की कमी आई है, 12 हजार 379 नए प्रकरण आए हैं, वहीं 14 हजार 562 मरीज़ ठीक हुए हैं। हमारी पॉजिटिविटी रेट 20.3त्न हो गई है तथा साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 22 प्रतिशत है।

प्रदेश अब पीक से नीचे आ रहा है-अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर डॉ. महेंद्र अग्रवाल द्वारा किए गए केस प्रेडिक्शन के अनुसार मध्यप्रदेश अपने कोरोना पीक पर पहुँच गया है। अब मामले कम हो रहे हैं।

डॉक्टर दिन में एक बार फोन अवश्य करें-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि होम आइसोलेशन में उपचाररत मरीजों को दिन में कम से कम एक बार डॉक्टर आवश्यक रूप से फ़ोन करके सलाह दें।

ऑक्सीजन की निरंतर आपूर्ति-प्रदेश में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति निरंतर हो रही है। प्रदेश को 589 एमटी ऑक्सीजन का कोटा मिल रहा है। 30 अप्रैल को 465 एमटी, एक मई को 489 एमटी ऑक्सीजन सप्लाई रही तथा 2 मई के लिए 503 एमटी आपूर्ति का अनुमान है।

58 नए ऑक्सीजन प्लांट-प्रदेश के सभी जिलों में कुल 58 नए ऑक्सीजन प्लांट लगाये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्य को गति दिए जाने के निर्देश दिए।

सीपीएम नेता बोले- कम्युनिस्टों का प्लान था

जीतना, बंगाल में बीजेपी को हराना

कोलकाता। सीपीएम के वरिष्ठ नेता सुनीत चोपड़ा ने कहा है कि विधानसभा चुनावों में केरल में लेफ्ट की दोबारा जीत और बंगाल में बीजेपी की हार कम्युनिस्ट प्लान था और वामपंथी पार्टियां इसमें सफल होती दिख रही हैं। समाचार चैनलों पर चुनावी रुझानों पर प्रतिक्रिया देते हुए वामपंथी नेता सुनीत चोपड़ा बंगाल में लेफ्ट-कांग्रेस-आईएसएफ गठबंधन के सूपड़ा साफ होने से बेफिक्र और ममता बनर्जी की जीत या बीजेपी की हार से ज्यादा खुश नजर आ रहे थे।

केरल में दोपहर 12 बजे तक के रुझानों के मुताबिक सीपीएम के नेतृत्व वाला एलडीएफ 91, कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 46 और बीजेपी की अगुवाई वाला एनडीए 3 सीटों पर आगे चल रहा है। केरल में 40 साल बाद किसी पार्टी या गठबंधन की सरकार बिना हारे दूसरी बार चुनाव जीतती दिख रही है। पश्चिम बंगाल में फिलहाल

ममता बनर्जी की टीएमसी 200 से ज्यादा सीटों पर आगे चल रही है जबकि बीजेपी 83 सीटों पर आगे है। कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन मात्र एक सीट पर आगे है जबकि दो सीट पर निर्दलीय आगे हैं। समाचार चैनलों पर सुनीत चोपड़ा के अलावा सीपीआई के नेता अतुल कुमार अंजान भी केरल में लेफ्ट की जीत से ज्यादा बंगाल में बीजेपी की हार की संभावना से संतुष्ट नजर दिखे।

सुनीत चोपड़ा से जब पत्रकारों ने कहा कि आप बंगाल में अपनी पार्टी के बारे में क्यों नहीं बात करते जहां आप दस साल पहले सरकार चला रहे थे और अब कांग्रेस से गठबंधन करके भी डबल डिजिट में जाते नहीं दिख रहे हैं तो सुनीत चोपड़ा ने कहा कि हमारी साफ सोच थी कि केरल जीतना है और बंगाल में बीजेपी को हराना है। हमने ये दोनों काम सफलता से किया है। चुनाव रुझानों में लेफ्ट-कांग्रेस-आईएसएफ गठबंधन के मात्र एक सीट पर आगे चलने के संदर्भ में लेफ्ट नेताओं के बयान को देखा जाए तो ऐसा लगता है कि बंगाल में बीजेपी को रोकने के लिए लेफ्ट-कांग्रेस-आईएसएफ गठबंधन ने अपने वोट रणनीतिक तौर पर ममता बनर्जी की टीएमसी को ट्रांसफर कराए जिससे तृणमूल कांग्रेस 200 सीट से ज्यादा पर आगे चल रही है। लेकिन इस रणनीति से बंगाल की चुनावी राजनीति में लेफ्ट और कांग्रेस का नामलेवा तक गायब होने का खतरा पैदा हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रोपा नारियल का पौधा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज निवास परिसर में एक नारियल का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री श्री चौहान एक वर्ष तक निरंतर पौधे लगाए जाने के संकल्प के अंतर्गत प्रतिदिन एक पौधा लगाते हैं।

कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिये घर-घर सर्वेक्षण का कार्य मुस्तैदी से किया जाए

संभाग आयुक्त ने गूगल मीट के माध्यम से दिए निर्देश

ग्वालियर। कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम के लिये शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों मी किल कोरोना अभियान के तहत घर-घर सर्वेक्षण को प्रभावी रूप से करने के निर्देश संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने दिए हैं। उन्होंने कहा है कि शहरी क्षेत्र के हर वार्ड में तथा ग्रामीण क्षेत्र की हर पंचायत में किल कोरोना अभियान के तहत सर्वेक्षण का कार्य किया जाए। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने गूगल मीट के माध्यम से ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे प्रबंधनों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए हैं। समीक्षा के दौरान सभी जिलों के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, सीएमएचओ सहित कोविड संक्रमण की रोकथाम में लगे अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने किल कोरोना अभियान के तहत घर-घर सर्वेक्षण के कार्य में पर्याप्त दल गठित करने के निर्देश दिए हैं। इस दल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ-साथ शिक्षकों को भी तैनात करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सर्वेक्षण के दौरान जिन लोगों में लक्षण पाए जाते हैं उन्हें होम क्वारंटाइन अथवा संस्थागत क्वारंटाइन कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत क्वारंटाइन के लिये केन्द्र भी तैयार किए जाएँ। इन केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें हों, यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शहरी क्षेत्र में इंसीडेंट कमाण्डरों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने स्तर से वार्ड में किल कोरोना अभियान के तहत सर्वेक्षण का कार्य कराएँ। सर्वेक्षण के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। समीक्षा के दौरान ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में किए जा रहे प्रबंधनों के संबंध में कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अपने-अपने जिले में की जा रही व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी।

बंगाल में ममता समेत 4 दिग्गज पिछड़े, बाबुल सुप्रियो

लॉकेट चटर्जी और स्वप्न दासगुप्ता भी चल रहे पीछे

शुरुआती रुझानों में तारकेश्वर सीट से स्वपन दासगुप्ता 3 हजार से ज्यादा वोटों से पिछड़ते दिख रहे हैं। तारकेश्वर सीट पर स्वपन दासगुप्ता की लड़ाई तृणमूल कांग्रेस के रामेंदु सिंहाराय से है। तारकेश्वर विधानसभा सीट साउथ-वेस्ट बंगाल रीजन के हूगली जिले का हिस्सा है। उनके अलावा एक्ट्रेस से नेता बनीं लॉकेट चटर्जी भी पीछे चल रही है।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल समेत देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। बंगाल में भले ही बीजेपी ने 200 पार का नारा दिया था, लेकिन पार्टी 100 सीटों के पार ही अटकती दिख रही है। वहीं टीएमसी रुझानों में अब 180 सीटों पर आगे चल रही है। 292 सीटों पर वोटिंग हुई थी, जिसके चलते बहुमत के लिए 147 सीटों की ही जरूरत है। इस लिहाज से देखें तो टीएमसी आसानी से बहुमत की ओर बढ़ती दिख रही है। हालांकि अब एक रोचक बात यह है कि भले ही टीएमसी सरकार बनाने की ओर बढ़ती दिख रही है, लेकिन सीएम ममता बनर्जी अपनी ही सीट पर पिछड़ती दिख रही हैं। वह नंदीग्राम सीट से अपने पुराने सिपहसालार रहे शुभेंदु अधिकारी के मुकाबले 8,000 से ज्यादा वोटों से पीछे चल रही हैं।

यही नहीं बीजेपी के भी कई दिग्गज

चेहरे पीछे चल रहे हैं। चुनाव में भगवा दल की हवा बनाने के लिए उतरे राज्यसभा सांसद रहे स्वप्न दासगुप्ता तारकेश्वर सीट से पिछड़ते दिख रहे हैं। शुरुआती रुझानों में तारकेश्वर सीट से स्वपन दासगुप्ता 3 हजार से ज्यादा वोटों से पिछड़ते दिख रहे हैं। तारकेश्वर सीट पर स्वपन दासगुप्ता की लड़ाई तृणमूल कांग्रेस के रामेंदु सिंहाराय से है। तारकेश्वर विधानसभा सीट साउथ-वेस्ट बंगाल रीजन के हूगली जिले का हिस्सा है। उनके अलावा एक्ट्रेस से नेता बनीं लॉकेट चटर्जी भी पीछे चल रही है। चुनचुरा विधानसभा सीट से भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं आ रही है। बीजेपी कैंडिडेट लॉकेट चटर्जी शुरुआती रुझानों में पिछड़ती हुई दिखाई दे रही हैं। इस सीट पर उनका मुकाबला टीएमसी के वर्तमान विधायक असित मजूमदार से है। उनके अलावा केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो भी पीछे चल रहे हैं। बाबुल सुप्रियो टॉलीगंज सीट से चुनावी समर में उतरे हैं। इस सीट पर टीएमसी के अरूप बिस्वास उनके मुकाबले आगे चल रहे हैं। अरूप बिस्वास सुप्रियो के मुकाबले फिलहाल 9,000 से ज्यादा वोटों से आगे चल रहे हैं।

दो बार बीजेपी से सांसद रहे हैं बाबुल सुप्रियो-वहीं बाबुल सुप्रियो एक लोकप्रिय गायक रहे हैं और लगातार दो बार बीजेपी के टिकट पर सांसद चुने जा चुके हैं। वहीं ममता बनर्जी का भी बांग्ला सिनेमा से पुराना कनेक्शन रहा है। अपनी राजनीति के शुरुआती दौर से ही वह फिल्मी सितारों पर दांव आजमाती रही है। इस बार भी उन्होंने बड़ी संख्या में सिलेब्रिटीज को चुनावी समर में उतारा है।

सम्पादकीय

कड़ाई अब मजबूरी

अंततः उत्तर प्रदेश सरकार को कड़े फैसले लेने की शुरुआत करनी पड़ी। जिस हिसाब से कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है, उसमें लॉकडाउन और कर्फ्यू के अलावा कोई विकल्प नहीं रह गया है। एक ओर, जहां रात्रिकालीन कर्फ्यू का विस्तार किया गया है, वहीं रविवार को पूरी तरह से लॉकडाउन लगाने का फैसला भी प्रदेश में संक्रमण की शृंखला तोड़ने के लिए अनिवार्य है। मास्क न पहनने वालों से एक हजार रुपये का जुर्माना वसूलना गरीबों की दृष्टि से थोड़ा आक्रामक लगता है, लेकिन बचाव के लिए यह भी जरूरी है। रविवार को सभी बाजारों को सैनेटाइज करने का फैसला भी स्वागतयोग्य है। जो लोग सरकार की इस कड़ाई को जरूरी नहीं मानते, उन्हें उत्तर प्रदेश में गुरुवार को सामने आए आंकड़े देखने चाहिए। एक दिन में 104 लोगों की मौत हुई है और 22,439 नए मामले सामने आए हैं। नोएडा जैसे अपेक्षाकृत विकसित क्षेत्र में मरीजों के लिए सरकारी अस्पतालों में जगह कम पड़ने लगी है, तो उत्तर प्रदेश के दूरदराज के इलाकों में अस्पताल किस दबाव में होंगे, सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। जहां तक बिहार का सवाल है, यहां उच्च न्यायालय ने चिंता जाहिर की है। राज्य के बड़े नेताओं, अधिकारियों, न्यायाधीशों को भी कोरोना परेशान करने लगा है। गुरुवार को बिहार में 6,133 मामले सामने आए, जबकि 24 मौतें दर्ज की गईं। हम जानते हैं, बिहार में आंकड़े जुटाना आसान नहीं। स्वास्थ्य सेवाओं तक हर किसी की पहुंच नहीं है। डॉक्टरों के खाली पदों की संख्या ही अगर हम देखें,तो हमें अंदाजा हो जाएगा कि बिहार में चिंता का स्तर क्या है। क्या बिहार इस स्थिति में है कि पचास या एक लाख मरीजों को झेल पाए? सक्रिय मामले लगभग 30,000 के आसपास दर्ज हैं और आने वाले दिनों में विशेषज्ञों को आशंका है, बिहार जैसे क्षेत्रों में संक्रमण बढ़ेगा। जैसे जीवन और जीविका बचाने की जंग उत्तर प्रदेश में शुरू हो रही है, ठीक उसी राह पर बिहार को भी चलना पड़ेगा। शनिवार को राज्यपाल के नेतृत्व में सर्वदलीय बैठक होने वाली है, उसके बाद सरकार कड़े फैसलों के साथ सामने आ सकती है। लचीले फैसलों का समय बीत चुका है। यदि हम कड़ाई नहीं करेंगे, तो मुसीबतों से घिरते चले जाएंगे। कोरोना का नया हमला सबके सामने है। जरूरत वास्तविक आंकड़ों या हकीकत से मुंह चुराकर लोगों का मनोबल बनाए रखने की नहीं है। लोगों को जिम्मेदारी लेने के लिए पाबंद करना होगा। नेतृत्व वर्ग को समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना होगा। चेहरा दिखाने के बजाय काम दिखाने का वक्त है? काम न दिखा, तो जो घाव लोगों की देह और दिल पर लगेंगे, उनका इलाज आने वाले कुछ दशकों तक नहीं हो पाएगा। संक्रमण के बढ़ते मामलों पर पटना हाईकोर्ट ने चिंता जताते हुए स्वास्थ्य विभाग की जमकर खिंचाई की है, तो यह स्वाभाविक है। ऐसे समय में न केवल जांच रिपोर्ट जल्दी आनी चाहिए, सभी के इलाज का मुकम्मल इंतजाम भी होना चाहिए। ताकि किसी कोर्ट को यह न कहना पड़े कि आमजन के लिए सरकारी अस्पताल का दरवाजा लगभग बंद सा है। यह आरोप-प्रत्यारोप का समय कदापि नहीं और न ही राजनीति का है। आज देश-समाज के नेताओं की सार्थकता तब है, जब जरूरी सेवाएं युद्ध स्तर पर सुनिश्चित हों।

अपना बोया ही काट रहे

जल, जंगल, जमीन आदिकाल से मानव का सहारा रहा है आधुनिक मानव चंद भौतिक पदार्थों का ईजाद करके प्रकृति पर विजय पाने का दंभ भरने लगा था। स्वयं को परमेश्वर मान लिया। वह भूल गया कि यंत्र-तंत्र से आगे भी बहुत बड़ी दुनिया है। अब भी जीवन उपयोगी तमाम तत्व मनुष्य को प्रकृति से मुफ्त ही मिल रहे हैं- जैसे जल, वायु, जमीन। लेकिन जिस तरह से जल संकट अब गंभीर रूप लेने लगा है, वह आने वाले दिनों में बड़ी त्रासदी बनेगा। फिलहाल कोरोना वायरस के प्रकोप में जिस तरह ऑक्सीजन की कमी से लोग छटपटा रहे हैं, और जान गंवा रहे हैं, उससे तो ऐसा लगता है, मानो आधुनिक मानव ने अपने पैरों पर खुद ही कुल्हाड़ी मार ली है। उसने पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाया होता, तो वह इस हालत में नहीं पहुंचता। देश में कोविड-19 के भयानक रूप लेने के बाद सरकारों की नींद खुली, लेकिन तब तक अस्पताल मरीजों से और श्मशान शवों से पट गए। एक साथ जलती दर्जनों चिताएं आज चीख-चीखकर बता रही हैं कि तंत्र की काहिली जनता के लिए कितनी जानलेवा साबित हुई है। लेकिन ज्यादातर राज्य सरकारें अब भी वही गलती कर रही हैं, जो शुरू से करती आई हैं। एक श्मशान में कई-कई दर्जन अंतिम संस्कार हो रहे हैं, पर सरकारी आंकड़े कुछ और ही कह रहे हैं। जाहिर है, जब तक सच्चाई को नहीं स्वीकारा जाएगा, इस मुसीबत का समाधान नहीं होगा। सिर्फ महाराष्ट्र और केरल के आंकड़े कुछ हद तक तसल्लीबख्श लगते हैं, वरना सभी राज्य सरकारें आंकड़ों से खिलवाड़ कर रही हैं, और उसी का नतीजा है कि स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। ध्यान रहे, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने बदनामी की परवाह नहीं की, बल्कि हरेक डाटा को दुरुस्त रखा। इन सटीक आंकड़ों की बुनियाद पर अपनी रणनीति तैयार की, तभी वे इस महामारी को काबू में करने के लिहाज से आज कामयाबी की ओर बढ़ दिख रहे हैं। इन दोनों देशों में आबादी के

एक बड़े प्रतिशत का टीकाकरण हो चुका है। हम कैसे कोई अचूक नीति बना सकते हैं, जब हमारे आंकड़े ही सही नहीं? कर्नाटक में रेमडेसिविर की शीशी में पानी व एंटीबायोटिक भरकर बेचते हुए पांच गिरफ्तार। इनमें दो स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल। राजस्थान में भी रेमडेसिविर की खाली शीशी में दूसरी दवा भरकर बेचने की धोखाधड़ी में पांच गिरफ्तार। इसी तरह, भोपाल में एक नर्स को पकड़ा गया है, जो मरीजों को अन्य दवा का इंजेक्शन लगाकर असली रेमडेसिविर अपने प्रेमी को बेच दे रही थी।... एक तरफ, अनगिनत लोग मानवता की मिसाल पेश कर, अपनी जेब से खर्च करके दीन-दुखियों व पीड़ितों की मदद कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ, इनकी करतूत देखिए। वैश्विक आपदा में धोखाधड़ी करने वालों पर रासुका व देशद्रोह कानून के तहत मुकदमा चलना चाहिए। यह ठीक है कि 1 मई से 18 वर्ष के ऊपर के सभी लोगों का टीकाकरण होने जा रहा है, लेकिन टीके का असर होने में कुछ समय लगता है। और टीका लगने के बाद भी लोग संक्रमित हो सकते हैं। इसका यह मतलब नहीं कि टीका लगवाने में हिचक दिखाई जाए। चूंकि देश एक बड़ी विपदा से दो-चार है, इसलिए नकारात्मकता दिखाने से काम चलने का नहीं। जो भी लोग जिम्मेदार ओहदे पर हैं, वे सभी और खासकर नेतागण लोगों का मनोबल बढ़ाने का काम करें, न कि बाल की खाल निकालने का। यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं है।

बहुत हुई ये महामारी,ऊपर बाले अब है तेरे चमत्कार की बारी-अल्फाज ए अंकित

ना जाने कैसी आई है ये बीमारी,
ना कोई अपना साथ दे पाता है और ना ही काम आ पाती है हमारी जिगरी यारी।
बहुत हुई ये महामारी,ऊपर वाले अब है तेरे चमत्कार की बारी।
ना जाने कितनी जिंदगी छीन ली है इसने बारी-बारी,
ऊपर वाले तूं एक बार तो देख अपने इन रोते बच्चों की सूरत प्यारी प्यारी।
बहुत हुई ये महामारी,ऊपर वाले अब है तेरे चमत्कार की बारी।
हैवानों खूब कर लो रेमडेसीवीर,ऑक्सीजन,फेविफ्लू की कालाबाजारी,
बस इतना याद रखना इसी जन्म में सब चुका के जाएगी संतान तुम्हारी।
बहुत हुई ये महामारी,ऊपर वाले अब है तेरे चमत्कार की बारी।
नकारात्मक खबरों को फैलाने और शेयर करने में नही है कोई शान तुम्हारी,
रोक लो अपनी इस हरकत को वरना अनजाने में तुम भी बन रहे हो पाप के भागीदारी।
बहुत हुई ये महामारी,ऊपर वाले अब है तेरे चमत्कार की बारी।
कोरोना को मजाक और हल्के में लेने में नही है तुम्हारी कोई समझदारी,
जिस दिन बीतेगी तुम्हारे किसी अपने पर तब रखी रह जायेगी तुम्हारी ये होशियारी।
बहुत हुई ये महामारी,ऊपर वाले अब है तेरे चमत्कार की बारी।
प्लाज़्मा डोनेट करने का संकल्प लेने से जल्द खत्म होगी ये बीमारी,
तो करदो प्लाज़्मा डोनेट किसी जरूरतमंद को बड़ी मेहरबानी होगी तुम्हारी।
बहुत हुई ये महामारी,ऊपर वाले
अब है तेरे चमत्कार की बारी।
वैक्सीन के अच्छे रिजल्ट सुनकर एक बार फिर उम्मीद जगी है हमारी,
तब तक खुद को सकरात्मक रख कर ही रखनी है हमको ये जंग जारी।
बहुत हुई ये महामारी,ऊपर वाले अब है तेरे चमत्कार की बारी।
बहुत हुई ये महामारी,ऊपर वाले अब है तेरे चमत्कार की बारी।

अंकित प्रजापति
एक्टर
ग्वालियर मप्र

कविता- वक्त ही तो है

गुज़र जाऐगा
गुज़र जाऐगा
मुश्किल बहुत है,
मगर वक्त ही तो है
गुज़र जाऐगा
गुज़र जाऐगा
जिंदा रहने का
ये जो जज़्बा है ,
फिर उभर आएगा ,
गुज़र जाऐगा
गुज़र जाऐगा
माना मौत चेहरा
बदल कर आई है,
माना मौत चेहरा
बदल कर आई है,
माना रात काली है,
भयावह है, गहराई है ,
लोग दरवाज़ो पे, रास्तों पे,
रुके बैठे हैं ,
कई घबराए हैं, सहमें है, छिपे बैठे हैं ,
मगर यकीन रख ,

मगर यकीन रख ,
ये बस लम्हा है,
दो पल में
बिखर जायेगा,
जिंदा रहने का
ये जो जज़्बा है,
फिर असर लाएगा ,
मुश्किल बहुत है,
मगर वक्त ही तो है
गुजर जाऐगा
गुजर जाऐगा
बाज़ार खाली,
सड़के सूनी ,
मोहल्ले वीरान है,
खौप बरपा है ,
हर तरफ लोग हैरान हैं,
ये वो कहर है जो
दुनिया को
डराने का आया ,
मगर ना समझ है ,
जो इंसान को
हराने आया ,
इतिहास गवाह है,
ये मसला भी
सुलझ जायेगा,
जिंदा रहने का
ये जो जज़्बा है,
गुम हुआ है टूटा नहीं,
जिंदा रहने का ये जो जज़्बा है,
गुम हुआ है टूटा नहीं,
ये ही जज़्बा फिर असर लाएगा,
फिर उभर आएगा,
मुश्किल बहुत है मगर ,
वक्त ही तो है
गुज़र जाऐगा,
गुज़र जाऐगा, **तरूण मोरघड़े लांजी**

अरविंद कुमार का जाना

वह एक विलक्षण व्यक्ति थे। उनसे मिलकर मुझे हमेशा ऐसा लगता था कि संत या ऋषि-मुनि ऐसे ही होते होंगे। रात-दिन पढ़ने-लिखने में लगे रहते थे। 94 साल की उम्र में भी उनके पास खाली वक्त कभी नहीं होता था। वह समय तय करके बात करना पसंद करते थे, काम के बीच में नहीं। एक बार मैं उनके घर गया, तो वह अपने कंप्यूटर पर अंतरिक्ष से जुड़े शब्दों की सूची बना रहे थे, साथ ही उनकी तुलना ग्रीक, अरबी और फारसी शब्दों से कर रहे थे। टेक्नोलॉजी में उनकी गहरी दिलचस्पी थी। वह माधुरी के पुराने अंकों को डिजिटाइज करने में मेरी मदद चाहते थे, वह तरह-तरह के ऑनलाइन टूल्स इस्तेमाल कर रहे थे। चाहते थे कि माधुरी के पुराने अंकों को स्कैन करके टेक्स्ट में बदला जा सके और फिर उन्हें एडिट किया जा सके। उनके पास फिल्मी दुनिया के किस्सों का अपार खजाना था। गायक मुकेश और गीतकार शैलेंद्र उनके पारिवारिक दोस्त थे। 'माधुरी' के संपादन के समय वह फिल्म इंडस्ट्री के बड़े आदमी माने जाते थे, लेकिन उन्होंने अचानक इस्तीफा देकर 'सामांतर कोश' बनाने का फैसला किया और मुंबई के मरीन ड्राइव से गाजियाबाद आ गए। वह प्रूफ रीडर से संपादक बने थे। न जाने कितने अनसुने किस्से अपने साथ ही लेकर चले गए अरविंद जी। लेकिन वह भरी-पूरी थाती छोड़ गए हैं।

रोहित सरदाना

वो चला गया कुछ इस तरह से,
खिलता फूल उजाड़े पतझड़ जिस तरह से
रोहित सरदाना को कौन नहीं जानता ।

हरियाणा राज्य के कुरूक्षेत्र शहर में जन्में, मिडिया के फलक पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले दबंग, जांबाज शख्स के अचानक निधन पर सारा देश शोकग्रस्त है। ना जाने क्या सूझा इश्वर को जो महकते हुए चमन में से सुन्दर खिले और महकते हुए फूल को इस तरह बेदर्दी से तोड़ा, पीछे जो रह गई मासूम छोटी-छोटी दो कलियां उनका क्या होगा उस फूल के बिना एक पल भी नहीं सोचा। 42 वर्षीय रोहित सरदाना को एक सप्ताह पहले बुखार एवं अन्य लक्षण के कारण टेस्ट कराया तो कोरोना पासिटिव पाया, नोएडा के मैट्रो अस्पताल में भर्ती किया गया। उन्होंने लोकप्रिय ताल ठोक के एक बहस कार्यक्रम की मेज़बानी की जो ज़ी न्यूज़ पर भारत में समकालीन मुद्दों पर चर्चा करता है। काफी लम्बे समय तक उन्होंने ज़ी न्यूज़ में काम किया । 2017 में उन्होंने आज तक में शामिल होने के लिए ज़ी न्यूज़ छोड़ दिया । तब से वह डिबेट शो दंगल को होस्ट कर रहे थे। 2018 में उन्हें गणेश विद्यार्थी पुरस्कार मिला एवं पत्रकारिता जगत में कई अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।वह किसी भी मुद्दे पर बेबाकी से अपनी राय पेश करते थे। रोहित सरदाना टी वी समाचार पत्रकारिता का सबसे लोकप्रिय चेहरा था, इश्वर को भी यही चेहरा अधिक भाया । सबके दिलों में बसने वाले रोहित सरदाना के लिए हर तरफ शोक की लहर है। पत्रकारिता जगत के साथ-साथ हरियाणा की भी बहुत बड़ी क्षति है। इश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और बिलखते परिवार को आघात सहने की हिम्मत।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)
हरियाणा

मोहब्बत-ए-गज़ल

ये मोहब्बत ग़ज़ल हैं या ग़ज़ल मोहब्बत हैं ।
किसी का चाँद,तो किसी की चाँदनी मोहब्बत हैं।।
ये काले बादल,या बादलों की घटाये मोहब्बत हैं ।
किसी के चमकते तारे, तो किसी का सूरज मोहब्बत हैं।।
ये गंगा का किनारा,या यमुना का तट मोहब्बत हैं।
किसी का समुद्र,तो किसी का संगम मोहब्बत है।।
ये बंसी या बाँसुरी की धुन मोहब्बत हैं ।
किसी का कृष्ण तो किसी की राधा मोहब्बत हैं।।
ये किसी को पाना,या किसी को चाहना मोहब्बत हैं।
किसी की खवाहिश,तो किसी का इंतज़ार मोहब्बत हैं।।
ये मोहब्बत ग़ज़ल हैं,या ग़ज़ल मोहब्बत हैं ।
किसी की राह,तो किसी का किनारा मोहब्बत हैं।।

डॉक्टर प्रिया पचौरी
वेटनरी कॉलेज जबलपुर(मध्यप्रदेश)

बिक्रमजीत कवंरपाल

रहने को दहर में आता कोई नहीं,
तुम जैसे गए इस तरह भी जाता कोई नहीं

हे परमेश्वर क्यों इस तरह चुन-चुन कर फूल कमल के तु तोड़ रहा, क्या तुझे दर्द ज़रा भी ना हो रहा। किसी मांग तो किसी की गोद सूनी हो रही है , किसी के सर से साया छिन रहा है, तो किसी की बुढ़ापे की लाठी टूट रही है। ज़मीं के सितारे एक-एक करके सब फलक पर जमा हो रहे हैं, तेरे फलक पे सितारों की कोई कमी तो नहीं, फिर क्यों तु इतना क्रुर हो रहा । हे ईश्वर क्या है जवाब तुम्हारे पास उन बेवाओं का, उन मासूम बच्चों का, उन बुजुर्गों के सवालों का, जिनके सहारे तुम छीन रहे हो।

मरोने वालों ने उठा रखा था सर पर घर मगर,
उम्र भर का जागने वाला पड़ा होता रहा।

बिक्रमजीत कवंरपाल जाना -पहचाना नाम, हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में 1968 में पैदा हुए, भारतीय सैन्य अधिकारी द्वारकानाथ कवंरपाल के सुपुत्र थे, जिन्हें 1963 में कीर्ति चक्र से नवाजा गया था। बालीवुड के दिग्गज एक्टर मुम्बई के हैवन हिल्स अस्पताल में कोशिश से जूझते हुए कोविड काल के ग्रास बन गए, वह एक रिटायर्ड आर्मी आफिसर थे, और बहुत सी फिल्मों और टी वी सिरियल्स में भी काम कर चुके हैं। 2003 में रिटायर होने के बाद एक्टिंग में डेब्यू किया। बिक्रमजीत कवंरपाल ने पेज 3,राकेट सिंह, सेल्समैन ऑफ द इयर, आरक्षण, मर्डर 2, 2स्टेटस, द गाज़ी अटैक, कारपोरेट, करम, हे बेबी, इल्लीगल जस्टिस, आउट ऑफ आर्डर, आपके कमरे में कोई रहता है इत्यादि अनेकों फिल्मों में काम किया।
ये हैं चाहते, दिल ही तो है, तेनाली रामा, दीया और बाती हम,क्राइम पेट्रोल दस्तक, सियासत, मेरे रंग में रंगने वाली,कसम तेरे प्यार की, जैसे सिरियल्स के अलावा अनिल कपूर के शो 24 में भी अहम भुमिकाएं निभाई। उन्हें हाट स्टार की वेबसिरीज़ में ÷रा अफसर के रूप में भी देखा गया। उन्हें पाकिस्तान की टेली नेटवर्क कम्पनी और बिस्कुट की मशहूर कम्पनी से भी ऑफर आई, लेकिन उन्होंने इसलिए ठुकरा दी कि बीते कुछ सालों से पाकिस्तान का रवैया देश? के प्रति ठीक नहीं था। 1989 में भारतीय सेना में कमीशन किया गया , और 2002 में मेजर के तौर पर रिटायर हुए। एक्टर बनना उनका सपना था जिसे उन्होंने रिटायरमेंट के बाद पूरा किया।
नमन ऐसे दिग्गज इन्सान को, उनकी आत्मा को शांति मिले और परिवार को दुःख सहने की ताकत
कौन कहता है कि मौत आई तो मर जाउंगा,
मैं तो दरिया हूं सागर में उतर जाऊंगा
वो हम सबके दिलों में ज़िंदा रहेंगे ।
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

बस्तर के आदिवासियों के सन्दर्भ में कविता

खामोश शिलालेख

प्राचीन दिशाओं में स्थापित इतिहास ,
लिख के गया कोई
विद्वत यायावर,
दुलार गया,
बस्तर के अप्रतिम
सौन्दर्य
और पत्थरों को ,
और लिख गया
शिलालेख ,
उन्ही की संतानें,
हाथों में हथियार लिए,
मिटाती इतिहास और
चित्र भिन्न करती
इन्ही शिलालेखों को ,
अब नहीं दिखता पत्थरों पर
लिखा,
बस्तर का एश्वर्य,
गुण गान मिट गए सब,
और मिट गए यशगान के अक्षर,
शब्द और अलंकार
अनगढ़ हो गए पत्थर ,
पत्थरों पर नहीं दिखता
प्राचीन पाषाणी सौंदर्य ,
निशब्द हैं शब्द,

और खामोश हैं शिलालेख
संजीव ठाकुर,अन्तराष्ट्रीय कवि,
रायपुर,छत्तीसगढ़,9009415415,

मैं अपराधी हूँ !

विधा- कविता
परिचय- ज्ञानीचोर
शोधार्थी व कवि साहित्यकार
मु.पो. रघुनाथगढ़, सीकर राज.
मो. 9001321438

दुनिया में बिखरा मैं,
हर माँग सिन्दूर चाहती,
पर सिन्दूर किसे चाहें
सवाल से लिपटा कफन,
हाथ हिलाती हर लाश,
मुझें नहीं पुकारती... !
मैं अपराधी हूँ!
न अब कविता होगी,
न गीत लिखेगी कलम।
हर निशाँ बाकी है कागज पर,
कलम की धार कुंठित है,
नागों के फण विषहीन हुयें,
कलम अमृत न घोल सकी,
जीवन की हलचल,तेज आँधियाँ
कुरेद जाती हर निशाँ
कलम की धार कुंठित हैं
गीत मौत का गाना है
कंठ अवरूद्ध हो-हो जाते।
मैं अपराधी जो हूँ!
आज और आज के बाद ,
न कल था न कल होगा,
अजीब हैं वक्त के कायदे,
कल की फरियाद आज,
आज की फरियाद कल,
आँसू में बिखरी दुनिया,

भारत की गौरव गाथा

असीम शक्ति से भरा, भारत की पुण्य है धरा7
इसकी छवि अदम्य है, संस्कृतियों से है भरा7
विविधता इसके रंग में, आदर है इसके ढंग मैं7
गंगा का पावन देश है, यहां बुद्ध का उपदेश है7
नतमस्तक सबको कर दिए, चाणक्य अपनी नीति से7
है विश्व गुरु बन गया, संस्कृत पूर्ण रीति से7
यहां रीतियां अनेक है, संस्कार से परिपूर्ण है7
गंगा का पावन देश है, प्रकृति से परिपूर्ण है7
मुरली की तान से भरा, कण-कण में भक्ति रंग है7
इस रीत को भाए सदा, इसका निराला ढंग है7
है वीर भूमि यह धरा, छतरानियों से है भरा7
पावन पुनीत है कथा ,इसकी निराली है छटा7
स्वरचित अप्रकाशित एवं मौलिक रचना
लेखिका /रचनाकार रीता तिवारी ÷रीत÷
संप्रति- अध्यापिका, स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री
शिक्षा- एम ए समाजशास्त्र, बी एड , सीटीईटी उत्तीर्ण
पिता का नाम श्री अवधेश तिवारी
मऊ उत्तर प्रदेश से

इस माहौल में डॉक्टरी

लगातार कई दिनों तक 10-10 घंटे तक पीपीई किट्स पहनकर कोविड मरीजों के बीच काम करना, चाहकर भी लोगों की मदद न कर पाना, रात में किसी भी समय ड्यूटी का कॉल आ जाना, सुबह से शाम तक तनावपूर्ण वातावरण में काम करना, तबीयत ठीक न होने के बावजूद काम करना, आसपास लोगों की लगातार मौत और रोते-बिलखते रिश्तेदारों को देखना, ऐसे तनावपूर्ण माहौल में काम करना किसी को भी थका सकता है। डॉक्टर रोहित जोशी कहते हैं, 'मरीज बहुत ज्यादा हैं, स्टाफ बहुत कम हैं। एक-एक डॉक्टर को कई मरीज देखने पड़ रहे हैं। ऐसे में, अगर दो-तीन मरीज की हालत बिगड़ जाए, तो परेशानी बढ़ जाती है। लगता है, हमें बहुत मरीज देखने हैं, लेकिन हमारे पास कम वक्त है। काफी तेज काम करना पड़ता है।

चलो हंसी दिवस पर हंसी ढूँढें

2 मई पूरी दुनिया वर्ल्ड लाफ्टर डे यानी कि हंसी खुशी का दिन मनाती है, पर क्या आज जिस माहौल से हम गुजर रहे है ऐसे वक्त में हम मना पाएंगे ये दिन ? जहाँ चारों तरफ़ लाशों के ढ़ेर दिख रहे हो ऐसे में लब कैसे मुस्क़ुराएं पर पतझड़ भी बहार में तब्दील होती है वैसे मौत का मौसम भी बदलेगा। माना कि ये जीवन है इस जीवन का यही है रंग रुप, थोड़े गम है थोड़ी खुशियाँ यही तो ज़िंदगी की रीत है। पर ऐसा लगता है कि खुशियाँ मानों जल्दी में ही रहती है ठहरती ही नहीं गम डेरा तंबू तान कर मेहमान से आदत बनता जा रहा है। पर ईश्वर ने हम इंसानों को एक हुनर दिया है, हल्की सी खुशी की लहर आते ही हम जश्न और महफ़िल सजा लेते है, उस चंद बूँदों के सहारे हम दर्द के लम्हें झेल जाते है ये सोचते हुए कि ये वक्त भी गुज़र जाएगा। आज ये वक्त जो अपना स्याही पहलू दिखा रहा है उसमें से हमें जीने की वजह ढूँढते लबों को हंसी के तराने उपहार देने है। परिवार को और खुद को अवसाद से बचाना है, वरना ये ज़िंदगी मौके की तलाश में ही बैठी है। ज़िंदगी के हर मोड़ पर दर्द का भंवर छिपा होता है तो खुशियों का खजाना भी झगमगती है, बस उस खजाने की तलाश में खुद को व्यस्त रखो हौसलों में हिम्मत की परवाज़ भरते समय को मात देना है। संगीत सुनों, हल्की फुल्की फिल्में देखो, अच्छी किताबें पढ़ो, लाफ्टर शो और चुटकुलों से जीवन में हंसी ढूँढो। हंसी और खुशी एक ऐसी दवा है जो इंसान को हर मर्ज़ से राहत दिलाती है। सकारात्मक सोच से मन में उठते विचारों के आवागमन को सिंचते रहो। खुद भी खुश रहो और अपने आस-पास बसे लोगों के भीतर हंसी ठहाकों से उर्जा भरते रहो। मुसलसल बहते वक्त की क्षितिज पर हम कठपुतली से नाचना नहीं है अपने हिस्से की धूप ढूँढते रहो। माना की अपने बस में कुछ नहीं सुबह आँखें खुलते ही रात के आखरी पहर के बीच बहुत सारी अच्छी बुरी गतिविधियों से पाला पड़ता है, उसमें से बोझिल लम्हों को दफ़न कर दो, जिस पल होंठों पर हल्की भी हंसी ठहरी हो उस पल को दोहराते रहो।दुनिया की कोई शै आपके जीवन को नहीं संवारेगी, खुश रहने का हुनर सीख लो। सौदाई बनना है ज़िंदगी से सौदा कर लो कि तू मुझे गम दे मैं उसमें से भी हंसी ढूँढ कर मुनाफ़े में तब्दील कर लूँगा। जब तक ज़िंदगी है जीनी है शान से हर पल यहाँ जी भर जीओ जो है शमा कल हो न हो। सभी को हंसी दिवस की।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)सभाबु

तुम मुझ में

वक्त की दौड़ में
वक्त की हौड़ में

सब कुछ बहता चला जा रहा है।
सिवाए मेरे हृदय में
खनखनाती हुई तेरी
स्थिर यादों के।
वक्त के शोर में
वक्त के हिलोर में
सब जगह
खामोशी का एक सन्नाटा
बिखरे जा रहा है।
सिवाए मेरे अंतर्मन में
तेरी गुनगुनाती यादों के।

राजीव डोगरा विमल
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल ठाकुरद्वारा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
9876777233

कंगना रनौत ने कोविड-19 वैक्सीन को लेकर शेयर किया जरूरी मैसेज, कहा- मैं 1 तारीख को जाऊंगी...

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, वो अपने फॉलोवर्स के साथ देश और इंडस्ट्री से जुड़े कई मुद्दों पर बेबाक राय रखती दिखाई दे जाती हैं। हाल ही में कंगना कुछ ऐसे ही कारणों से सुर्खियों में आ गई हैं। उन्होंने सोशल एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कंगना ने देश में पांव पसार रही कोरोना महामारी को लेकर लोगों के बीच पैनिक के हालातों पर बात की है। कंगना इन वीडियो में कोविड की वैक्सीन को लेकर भी लोगों को जागरुक करती दिख रही हैं।

वैक्सीन को लेकर फैल रही अफवाहें-कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो उन्होंने सभी से कोरोना से जंग लड़ने के लिए वैक्सीन लेने की अपील की है। उन्होंने ये भी अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैल रही किसी तरह की अफवाहों पर भरोसा ना करें। कंगना का कहना है कि अफवाहों की वजह से उनके स्टाफ के कई लोग वैक्सीन नहीं लेना चाहते थे लेकिन उन्होंने सभी को समझाया और उन्हें वैक्सीन लेने के लिए रजिस्टर करवाया। इस वीडियो में कंगना ने कहा- एक तारीख को मैं, परिवार वालों और सारे स्टाफ के साथ, सारे दोस्तों के साथ जा रही हूं, आप भी ऐसा करिए प्लीज खुद को रजिस्टर करवाइए।

कई सेलेब्रिटीज बढ़ रहे मदद का हाथ-कंगना के इस वीडियो पर फैंस की ताबड़तोड़ प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। कई फैंस ने कंगना को सपोर्ट करते हुए कमेंट के जरिए सभी से वैक्सीन लगवाने की अपील की है। बता दें कि कंगना के अलावा कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपने-अपने तरीकों से कोरोना के मुश्किल हालातों में मदद का हाथ बढ़ाते दिखाई दे रहे हैं। जहां एक तरफ सोनू सूद जरूरतमंदों तक बेड से लेकर दवाइयां और ऑक्सीजन सिलेंडर तक पहुंचा रहे हैं। वहीं अभिनेता अजय देवगन ने शादी के हॉल को आईसीयू में बदलने में योगदान दिया है। अभिनेता सलमान ने कई लोगों के लिए खाने का इंतजाम किया है तो कई सेलेब्स ने राहत कोष में योगदान दिया है।

'उड़ता पंजाब' में क्यों साथ नहीं दिखे करीना और शाहिद? सवाल का दोनों ने दिया था मजेदार जवाब

एक वक्त था जब करीना कपूर और शाहिद कपूर की जोड़ी रियल और रील लाइफ में हिट थी। उन्होंने साथ में कई फिल्में कीं। हालांकि ब्रेकअप के बाद वो एक साथ पर्दे पर नहीं दिखे। फिल्म 'उड़ता पंजाब' के दौरान दोनों अलग हो चुके थे। दोनों भले ही एक फिल्म में थे लेकिन साथ में उनका कोई सीन नहीं था। फिल्म में करीना की जोड़ी दिलजीत दोसांझ के साथ थी और शाहिद

कपूर की जोड़ी आलिया भट्ट के साथ बनीं।

सवालों का दिया जवाब-'उड़ता पंजाब' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान शाहिद और करीना से उनकी केमेस्ट्री के बारे में सवाल भी पूछा गया जिसका उन्होंने बखूबी जवाब दिया। जब उनसे पूछा गया कि 'क्या उन्हें दुख हुआ कि वो एक ही फ्रेम में नहीं आए?' इस पर शाहिद ने कहा कि 'मतलब जो हुआ ही नहीं उसके बारे में हम खुश थे या दुखी थे।' वहीं करीना कहती हैं कि 'जब वी मेट की डीवीडी हमेशा है।'

फिर से साथ में आने के सवाल पर क्या कहा-'क्या वो दोनों जब वी मेट के सीक्वल में साथ आएंगे?' इसके जवाब में करीना कहती हैं कि 'ये तो इम्तियाज ही बता सकते हैं ना, शाहिद।' इसी सवाल पर शाहिद ने कहा कि 'अगर ऐसा होना होता तो और पहले ही हो जाता। मुझे लगता है कि इम्तियाज इस पर आगे बढ़ चुके हैं।'

सुपरहिट रही थी फिल्म-निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'जब वी मेट' बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। फिल्म की रिलीज के इतने साल बाद भी इसके एक-एक डायलॉग से लेकर गाने तक आज भी पसंद किए जाते हैं। 'जब वी मेट' की शूटिंग के दौरान करीना कपूर और शाहिद कपूर का ब्रेकअप हो चुका था लेकिन इसे उन्होंने पर्दे पर जाहिर नहीं होने दिया।

आने वाली फिल्में-वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आएंगी। इसमें उनके साथ आमिर खान हैं। वहीं शाहिद कपूर ने हाल ही में फिल्म 'जर्सी' की शूटिंग खत्म की है। इसके अलावा वो जल्द ही वेब डेब्यू भी करने वाले हैं।

श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर लौटीं इंडिया, हाथ के टैटू ने खींचा ध्यान

श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर मार्च में यूएस गई थीं। अब वापस आ चुकी हैं। मंगलवार को उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। खुशी के साथ उनकी कजन शनाया और अंशुला कपूर भी थीं। तीनों ने फेसशील्ड लगा रखी थी। वहीं खुशी के हाथ पर टैटू ने सबका ध्यान खींचा। इसमें एक मैसेज लिखा था।

जाह्नवी के बर्थडे के बाद यूएस गई थीं खुशी-खुशी कपूर मार्च में यूएस गई थीं। उस वक्त अनुराग

कश्यप की बेटी आलिया के साथ उनकी कई तस्वीरें वायरल हुई थीं। सिलेब फोटोग्राफर योगेनशाह के इंस्टा के मुताबिक खुशी के हाथ पर लिखा था, बाकी सब अपनेआप ही हो जाएगा। खुशी अपनी बहन जाह्नवी का बर्थडे मनाने के बाद यूएस चली गई थीं। मार्च और अप्रैल के बीच खुशी यूएस से अपनी तस्वीरें शेयर करती रहीं। वहां वह फिल्मों से जुड़ी पढ़ाई कर रही हैं।

खुशी को लॉन्च नहीं करेंगे बोनी कपूर-कुछ दिनों के लिए जाह्नवी भी उनके पास पहुंची थीं, पहले लॉस ऐंजेलिस में बाद में न्यूयॉर्क में। खुशी फिल्मी दुनिया जॉइन करना चाहती हैं। उनके पिता बोनी कपूर ने ये बात क्लीयर कर दी थी कि वह खुशी को लॉन्च नहीं करेंगे।

इस वजह से बेटी को नहीं करेंगे लॉन्च-एक लीडिंग डेली से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि मेरे पास रिसोर्सेज हैं पर मैं खुशी के बजाय किसी और को लेना पसंद करूंगा क्योंकि मैं उनका पिता हूं और ऐसे इंसान ज्यादा नरमी बरतने लगता है। एक फिल्ममेकर के तौर पर ऐसा करना सही नहीं है और एक ऐक्टर के लिए भी ये ठीक नहीं है। मैं चाहता हूं कि खुशी अपनी जगह खुद बनाए।

एक नजर...

गूगल मीटिंग के निर्देशों के पालन में तत्परता दिखाते हुए थाना प्रभारी ने सभी गैर सरकारी अस्पतालों एवम मेडिकलो को किया चैक

थाना प्रभारी कुशल सिंह भदौरिया की कार्यप्रणाली की लहार की जनता ने की खुले शब्दों में की सराहना

लहार(अर्पित गुप्ता)भिंड जिले के कलेक्टर सतीश कुमार एवम पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा गूगल मीट पर कर्मचारियों की सुबह 11 से 12 बजे तक बैठक आयोजित की जाती है जिसमे प्राप्त निर्देशों के आधार पर लहार थाना प्रभारी कुशल सिंह भदौरिया ने तत्पर्यता दिखाते हुए लहार नगर में संचालित सभी गैर सरकारी अस्पतालों एवम मेडिकलो का निरीक्षण किया और उन्हें निर्देशित किया कि मरीज को बुखार में सिर्फ पैरासीटामोल ही देना है अन्य कोई दबा उन्हें नही दी जाएगी या फिर रजिस्टर्ड एवम डिग्री प्राप्त सरकारी डॉक्टरों के पर्चे पर ही दबा दी जाए अन्यथा सम्बंधित के खिलाफ कठोर कार्यबाही की जायेगी बो तेज दूप में अपने बल के साथ नगर भृमण पर निकले ओर सभी गैर सरकारी अस्पताल संचालकों को निर्देशित किया गया।

सुनिये क्या बोले अधिकारी-श्री मान कलेक्टर एबम पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशों के पालन में गैर सरकारी अस्पताल एवम मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया और उन्हें निर्देशित किया कि बुखार में मरीज को पैरासीटामोल के अलाबा कोई दबा नही दी जाये बर्ना उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी।।

कुशल सिंह भदौरिया
थाना प्रभारी लहार

वैक्सीन टीकाकरण कारगर साबित हो रहा है: पृथ्वीसिंह

मैसूरु। नजरबाद स्थित गोपाल गौड़ा अस्पताल में कोरोना वैक्सीन टीकाकरण करवाने के लिए लोग पहुंच रहे हैं द्य नर्सिंगकर्मी दास टी.आर.,टी.एन.हेमावती तथा सुमित्रा एस. के द्वारा सम्पूर्ण टीकाकरण की व्यवस्था संभाली जा रही है द्य राजस्थान विष्णु सेवा ट्रस्ट मैसूरु के नवयुवक मंडल अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चांदावत ने बताया कि इस कोरोना काल में उत्पन्न विकट परिस्थिति में वैक्सीन टीकाकरण कारगर साबित हो रहा हैं द्य रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है द्य लोगों को कोरोना नियमो की पालना करे।

वैक्सीन लेने से पहले युवाओं ने बढ़चढ़ कर किया रक्तदान

मैसूरू-रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट मैसूरू, व तेरापंथ युवक परिषद मैसूरू के संयुक्त तत्वावधान में लॉयन्स ब्लड सेंटर जीवधारा मैसूरू में विशाल रक्तदान शिविर रखा गया था। इसमे बडी संख्या में रक्तदाताओ ने एक मई से देश मे 18 वर्ष के उपर के आयु वालो को कोवीड टीकाकरण शुरू होगा। आज मैसूरू मे 85 लोगों ने शिविर में रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट मैसूरू के अध्यक्ष देवेन्द्र परिहारिया, उपाध्यक्ष चिरंजीलाल कुमावत, कोषाध्यक्ष पारसराम बोराणा, प्रवक्ता महेन्द्र चोयल, प्रकाश राठौड़, संरक्षक पृथ्वी सिंह जी चान्दावत तेरापंथ युवक परिषद मैसूरू के अध्यक्ष दिनेश दक, योजना निर्देशक सेजल कोठारी, आनन्द मांडोत, सजन पोकरणा, तुषार गुगलिया उपस्थित रहे।

सामाजिक एवं आर्थिक समानता के पक्षधर थे स्व. हरिज्ञान बौहरे

(पूर्व विधायक स्व. बौहरे की 40 वीं पुण्यतिथि आयोजित)

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक एवं विचारक स्व. हरिज्ञान सिंह बौहरे पूर्व विधायक अटेर की 40 वी पुण्यतिथि शनिवार को कोरोना महामारी की गाइडलाइन का पालन करते हुए वाटर वर्क्स स्थित निवास पर पूर्ण सादगी के साथ मनाई गई। कार्यक्रम संयोजक बी.के. बौहरे ने स्व. हरिज्ञान सिंह बौहरे के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके संघर्षशील जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने मजदूरों एवं किसानों के हितों के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया। वह सामाजिक एवं आर्थिक समानता के पक्षधर थे। विश्व मजदूर दिवस के ऐतिहासिक दिन 1 मई को वह पंचतत्व में विलीन हुए। हम सभी को उनसे प्रेरणा लेकर उनके बताये मार्ग पर चलना चाहिए। इस मौके पर श्रीमती विजया देवी, प्रशांत बौहरे, राज कुशवाह, अंकित बोहरे प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पहाडगढ़ पुलिस ने कन्हार गांव के किए रास्ते बंद

पुष्पांजली टुडे

पहाडगढ / पुलिस चौकी कन्हार के अंतर्गत आने वाला गांवों कन्हार को पुलिस ने चारों तरफ से रास्ते बंद कर दिया है गांव के आने जाने वाले रास्तों पर पुलिसकर्मियों लगाकर पूरे गांव के रास्तों को बंद कर दिए हैं और सभी ग्रामीणों से अपील की कोरोना से डरे नहीं अगर किसी भी ग्रामीण में कोरोना के लक्षण दिखते हैं तो तुरंत हॉस्पिटल जाकर जांच अवश्य कराएं।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया रक्तदान

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)।कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह सहित कई पुलिसकर्मियों ने पुलिस लाईन में लगाए रक्तदान शिविर कैम्प में रक्तदान किया। इस अवसर पर डीएसपी हेडक्वॉर्टर मोतीलाल कुशवाहा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजीत मिश्रा सहित अन्य चिकित्सगण उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने रक्तदान अवसर पर कहा कि रक्तदान अवश्य करें जिससे किसी की जिंदगी बचाई जा सके। युवा पुलिस अधिकारी डीएसपी हेडक्वॉर्टर मोतीलाल कुशवाहा ने भी किया रक्तदान, पुलिस लाइन में भिण्ड पुलिस के द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया।

पत्रकारों व आमजनता के साथ अभद्रता बर्दाश्त नहीं:पंकज त्रिपाठी

भिण्ड।प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने कहा कि देश में कई जगह से जानकारी मिल रही हैं कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान कवरेज करते समय कई जगह प्रशासन अथवा व्यापारियों द्वारा अभद्रता की जा रही हैं, जो कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि इस सम्बंध में केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों को पत्र लिखा जाएगा।यहां बता दें कि पुष्पांजली टुडे न्यूज समूह में मध्यप्रदेश के स्टेट ब्यूरो चीफ के पद पर पंकज त्रिपाठी कार्य रहे हैं।मीडिया संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि पत्रकार शासन-प्रशासन और समाज का आईना होता है।कोविड-19जैसी महामारी के बीच भी पत्रकार निस्वार्थ भाव से अपनी जान जोखिमों में डालकर 24 घँटे अपने प्रयासों से समाचारों को एकत्रित कर शासन-प्रशासन और आमजनता को प्रकाशित करता है या दिखाता है।कोविड-19में कवरेज करते हुए देश के तमाम बड़े छोटे पत्रकारबन्धु कोरोना के चपेट में आकर अपनी जान गवाँ चुके हैं उन्हें मैं संघ कोटि कोटि नमन करता है, पत्रकारिता जगत के सभी पत्रकारबन्धु

रात दिन अपने कार्य को अपना धर्म कर्म समक्षते हुए बखूबी निभा रहे हैं।

प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पुष्पांजली टुडे न्यूज समूह के मध्यप्रदेश स्टेट ब्यूरो चीफ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि हमने केंद्र सरकार और राज्यों की सरकारों से अभी फिलहाल पत्रो के माध्यम से माँग कि है कि पत्रकार और आमजनता के साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया जाये।मीडियाकर्मी पत्रकारबन्धुओ के लिए मांग करते हुए मीडिया संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने कहा कि देश के मान्यता प्राप्त एवं गैर मान्यता प्राप्त सभी पत्रकारों को सरकार कोरोना वारियर्स के रूप में घोषित करें।किसी पत्रकार के साथ प्रशासन या अन्य कोई भी अभद्र व्यवहार नहीं करे अगर कोई ऐसा करता है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये, कोविड-19के दौरान जो पत्रकार कोरोना से पीड़ित होकर मर गए हैं या कोरोना से जान जाती है तो उनके परिजनों को 10-10 लाख रुपये दिये जायें,और जो भी पत्रकार अभी कोरोना से पीड़ित होकर अपना अभी इलाज करा रहे हैं उनका अच्छे से अच्छा फ्री इलाज कराया जाये।मीडिया संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि देश के सभी प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की ओर से हमने संगठन की ओर से पत्रों के माध्यमों से सरकार के सामने यह मांग रखी है अगर सरकार ने देश के तमाम पत्रकारों के हित की इस मांग को नहीं माना तो समय आने पर पूरे देश में पत्रकारहित में आंदोलन किया जाएगा।संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने सभी पत्रकारबन्धुओ से अभी अपनी अपील में कहा कि इस समय देश में कोविड-19जैसी खतरनाक बीमारी है हम सभी अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा के साथ साथ अपने क्षेत्र एवं देश की रक्षा करने का कर्तव्य निभाये,सभी से कोविड-19की बीमारी से बचने के लिए सावधानी बरतने की हाथ जोड़कर प्रार्थना की है।पंकज त्रिपाठी ने कहा कि सब मिलकर इस बीमारी से निबटने प्रयास करें निश्चित रूप से जल्द ही हमारे देश में एक बार फिर पूरी तरह खुशहाली लौट आएगी।

टेवा कम्पनी के सहयोग से भिण्ड जिला अस्पताल में

50 ऑक्सिजन सिलेंडर की क्षमता का आक्सीजन प्लांट लगेगा

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)।नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री एवं जिले के कोरोना प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया ने आज टेवा कम्पनी के सहयोग से भिण्ड जिला अस्पताल हेतु लगाये जा रहे ऑक्सिजन प्लांट हेतु निर्माण कर रही इंडस्ट्री नाईट्रोक्स, को आवश्यक दस्तावेज सौंपे। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री एवं जिले के कोरोना प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया ने सूर्या व आर आर कम्पनियों का दौरा भी किया। इस दौरान कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह, इंडस्ट्री प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। आक्सीजन मिलने की संभावनाओं को तलाशा, मंत्री बोले सरकार टेवा के सहयोग से दो से तीन सप्ताह में करेगी ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण, सरकार हर स्तर पर प्रदेश की जनता के साथ है।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के राज्यमंत्री एवं कोविड हेतु जिले के प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया ने कहा कि जिले के लिए बहुत सुखद खबर है कि कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के प्रयासों से टेवा कंपनी के अधिकारीगण श्री त्रिपाठी एवं श्री

मिश्रा भिण्ड जिले को एक ऑक्सीजन प्लांट दे रहे हैं। जिसकी उत्पादक क्षमता प्रतिदिन 50 सिलेण्डर होगी जो जल्द ही शीघ्र चालू हो जाएगा। जिससे ऑक्सीजन के मामले में भिण्ड जिला पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जाएगा और बेहतर चिकित्सा सुविधा भिण्ड जिले को उपलब्ध करा पाएंगे। मैं कंपनी के अधिकारी एवं जिला प्रशासन को धन्यवाद देता हूं कि उनके प्रयासों से यह ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हो रहा है। अभी तक हमें सूर्या कंपनी से संचालन हो रहा था। जिससे ऑक्सीजन सिलेण्डर की आपूर्ति संभाग के कई जिलों को कर पा रहे थे। लेकिन अब जिला अस्पताल प्रांगण में ऑक्सीजन प्लांट के बन जाने से ऑक्सीजन की आपूर्ति सीधी मरीज के बैड तक होगी यह एक बडी उपलब्धि होगी जिसके लिए मैं पुनः जिला प्रशासन को धन्यवाद दे रहा हूँ।

एक लाख 42 हजार 48 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में एक लाख 42 हजार 48 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 30 अप्रैल के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक व होम डिलीवरी के माध्यम से एक लाख 42 हजार 48 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705 , 28 अप्रैल को 11 हजार 141,29 अप्रैल को 9 हजार 347 और 30 अप्रैल को 8 हजार 958 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

नाजायज व शराब के अबैध धन्धे अम्बाह पुलिस किसी भी सूरत मे फलने फूलने नहीं देगी... जादौन

कौरोना ब्यस्तता में भी अम्बाह पुलिस की ताबड तोड कार्रबाही

केशब पंडित जी अम्बाह...??

अम्बाह... कोरोना महामारी की ब्यस्तता में अवैध शराब व शस्त्रो के ऋय विक्रय सरीके नाजायज धंधे अम्बाह पुलिस किसी भी सूरत में फलने फूलने नहीं देगी ऐसे अवैध कृत्यो को अंजाम देने वाले मुजरिमो के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी यह बात अम्बाह एसडीओपी अशोक सिंह जादौन ने कहीं उन्होंने बताया कि मैंने अम्बाह डिबीजन में मुखबिर तंत्र को और मजबूत करने का प्रयास किया है ताकि अपराधों और अपराधियों के बारे में सटीक सूचनाएं पुलिस को मिलती रहै इधर जिले में अब्बल रहै अंबाह थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह जादौन ने माना कि कोरोना महामारी में लोकडाउन होने के डर से लोग पुलिस को अपराधों और अपराधियों के बारे में सूचना देने से कतरा रहै हैं उन्होंने कहा कि एक बार पुलिस जनता को यकीन दिलाने में कामयाब हो जाए तो उसे मुखबिरो से कारगर आम सूचनाएं मिलना प्रारंभ हो सकती है श्री जादौन नें बताया कि कल ही आज पुलिस को मुखबिरों से प्राप्त जानकारी मिलने से कामयाबी मिली है धोलपुर से बुलैरो द्वारा आई एक लाख रूपये की 18 पेटी मय बुलेरो के जप्त की इसी प्रकार कल भी एक गॉडी अबैध शराब की जप्त की थी अम्बाह एसडीओपी अशोक सिह जादौन व थाना प्रभारी योगेन्द्र सिह जादौन के मार्गदर्शन में बिश्बश्नीय मुखबिर तंत्र द्वारा कारबाही की उठक पटक जारी है अंबाह थाना प्रभारी योगेन्द्र सिह जादौन ने दावा किया है कि हमें और कामयाबी मिलने की उम्मीद है यह सफलता अवैध शस्त्रो की बरामदगी व अवैध शराब अथवा सट्टा व जुआरियो में किसी भी हो सकती है उन्होंने बताया मेरा मुखबिर तंत्र मजबूत रहता है इलाके के प्रत्येक गांव के प्रमुख गांव में कौन-कौन व्यक्ति अपराध में लिप्त है इसकी पूरी जानकारी के लिए प्रयास जारी कर दिए गये इस कारबाही मे सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह जादौन व एसआई नीलम यादव व एएसआई पंचम सिह आरक्षक प्र.कुलदीप दौहरे नरेन्द्र मौर्य सतेन्द्र गुर्जर दीपक पचौरी चालक रहीमुद्दीन की महत्व पूर्ण भूमिका रही।

रक्तदान शिविर मे 20 स्वंयसेवकों ने किया रक्तदान

श्योपुर कोविड-19 की आपदा में ब्लड बैंक में रक्त की आपूर्ति सतत बनी रहे इसी पवित्र उद्देश्य को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्योपुर के सेवा विभाग द्वारा सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर में आज दिनांक 30 अप्रेल को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे जिला कार्यवाह राघवेंद्र टकसाली , जिला प्रचारक जितेंद्र शर्मा, ग्रामीण प्रचारक सच्चिदानंद गोस्वामी,नगर कार्यवाह देवकीनन्दन शर्मा रक्तदान जागरूकता अभियान के संचालक अरूण ओसवाल व महावीर

गुप्ता, जिला महामंत्री भाजपा रामलखन नापाखेडली आदि द्वारा दीपप्रज्वलन से सुबह 10 बजे शुभारंभ किया। रक्तदान शिविर मे इन्होंने किया रक्तदान एडवोकेट नरेंद्र रावत जिला प्रचारक जितेंद्र जी शर्मा, ग्रामीण प्रचारक सच्चिदानंद गोस्वामी,भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाट, डॉ.दिव्यांशु गुप्ता,हिमांशु गुप्ता,गिर्राज शर्मा,अर्पित गुप्ता, तरूण गुप्ता, पवन रेंगर, सत्येंद्र त्यागी, सौरभ भार्गव, शिवराम रावत,संतोष दत्त शर्मा,प्रीतम गोयल, धर्मेंद्र गौतम, योगेश ओझा आदि सहित सभी रक्तदानियों ने ÷नर सेवा- नारायण सेवा÷ की भावना से स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान दाताओं को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया संघ के कार्यकर्ता रामअवतार शर्मा के अनुसार अल्प सूचना पर स्वंयसेवक ब्लड बैंक में पहुंच कर रक्तदान करते रहेंगे और कोरोना गाइड लाइन का पालन करते हुये छोटे-2कैम्पों का ग्रमीण क्षेत्रो में आयोजन किया जायेगा जिससे ब्लड बैंक की सतत आपूर्ति बनी रहे इस दौरान प्रद्युम्न शर्मा ,कौशल शर्मा, दिनेश साहू, संजय मंगल, गजेंद्र वर्मा ,प्रतीक नाटेकर, नंदू जांगिड़, कपा ठाकुर, नीरज जाट, महेश राठौर,किम्मी गौतम, रवि हरदैनिया, मयंक शुक्ला , विष्णु शर्मा, सहित ब्लड बैंक प्रभारी डॉ.मुकेश मीणा, अरविंद पटेल, जगन प्रताफ, मानसी गर्जभिय आदि मौजूद थे ।

रेमिडेसिविर इंजेक्शन के 19 बॉक्स ग्वालियर आए

ग्वालियर। कोविड मरीजों के लिए रेमिडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए शासन द्वारा निरंतर इंजेक्शन की खेप ग्वालियर एवं संभाग के जिलों के लिए भेजी जा रही है इसी के तहत आज ग्वालियर संभाग के लिए इंजेक्शन के 19 बॉक्स प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि आज प्राप्त हुए इंजेक्शन के बॉक्स ग्वालियर सहित गुना, अशोकनगर एवं दतिया के लिए है जोकि निर्धारित मात्रा अनुसार सभी जगह वितरित किए जाएंगे एवं मेडिकल कॉलेज व अन्य अस्पतालों में भी इंजेक्शन वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इंजेक्शन वितरण की व्यवस्था को पारदर्शी बनाया गया है जिसके तहत जितने भी इंजेक्शन जिस अस्पताल को दिए जाएंगे उसकी सूची भी सार्वजनिक की जाएगी। विगत दिवस वितरित किए गए इंजेक्शन की सूची जनसंपर्क विभाग एवं सोशल मीडिया के माध्यमों से सार्वजनिक की गई थी।

गंदगी को हटाकर स्वच्छ वातावरण देने में लगे हैं सफाई मित्र

ग्वालियर। आम समय में भी लोग गंदगी के पास खड़ा होना तो दूर उसके आसपास से निकलना भी पसंद नहीं करते हैं, लेकिन इस कोरोना रूपी महामारी के संकट के समय भी आम लोगों को स्वच्छ वातावरण व साफ सड़कें उपलब्ध कराने के लिए सुबह से ही कचरे के ढेरों पर खड़े होकर कचरे को अपने हाथों से उठाते हैं और कचरे को उचित डिस्पोजल के लिए लैंडफिल साइट पर भिजवाते हैं । ऐसे कर्मवीरों को हमें उनके जज्बे के लिए सलाम करना चाहिए। यह कहना है वार्ड 53 में स्थित देवनगर गंजी वाला मोहल्ला के निवासियों का, जिनके मोहल्ले में आने वाले सफाई कर्मी गौतम ओमकार द्वारा स्वयं कचरे के ढेर में रहकर क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है और कोरोना जैसी महामारी से भयमुक्त किया जा रहा है। क्षेत्र के नागरिक गौतम द्वारा किए जाने वाले कार्य कि दिल खोलकर सराहना करते हैं। नगर निगम के कर्मठ सफाई कर्मचारी गौतम ओमकार गुड़ा गुड़ी के नाके पर रहते हैं तथा प्रतिदिन प्रातः 6ः00 बजे अपने परिजनों व बच्चों को सोता हुआ छोड़कर अपने घर से निकलकर वार्ड 53 की विभिन्न गलियों में कचरे के ढेरों को हटाने के लिए पूरी तन्मयता से जुट जाते हैं और अपने इस कार्य को ही वह सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं।

वैसे कहने को तो यह सामान्य कार्य है, और नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के नेतृत्व में नगर निगम के सभी कर्मचारी अपने अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं तथा आम लोगों को साफ सफाई पेयजल इत्यादि से संबंधित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन सोचिए यदि कुछ दिन तक सड़क से कचरे के ढेर ना उठें, तो कुछ ही दिनों में उस सड़क का मंजर क्या होगा और कितनी गंदगी हो जाएगी। हमें इस गंदगी से बचाने के लिए सफाई कर्मवीर अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से कर रहे हैं। सफाई कर्मवीरों का भी परिवार होता है और उनके बच्चे होते हैं जो कि चाहते हैं कि आम लोगों की तरह उनके पापा भी उनके साथ घर पर ही रहे, लेकिन यदि सफाई कर्मवीर घर बैठ गए तो हमारे शहर का क्या हाल होगा यही सोच कर हम सभी को शहर की स्वच्छता को लेकर अपना सहयोग करना चाहिए। हम सभी अपने घर से निकलने वाले प्रतिदिन के कचरे को घर पर ही डस्टबिन में रखें तथा कचरा संग्रहण वाहन आने पर ही उसमें डालें सड़क पर कचरा ना फेंके यही हमारा राष्ट्र के प्रति सच्चा धर्म होगा।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने दतिया नगर पालिका को सौंपे तीन टैंकर

बीपीएल परिवारों को किया खाद्यान्न वितरित

ग्वालियर। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को दतिया की राजघाट कालोनी में नगर पालिका को पेयजल हेतु तीन पानी के टैंकर सौंपे। उन्होंने वार्ड क्रमांक-1 एवं 3 के गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले 30 हितग्राहियों 35 किलो खाद्य सामग्री के पैकेट भी वितरित किए। डॉ. मिश्रा ने कहा कि सरकार जनता के साथ खड़ी है। किसी को भी इन विषम परिस्थितियों में परेशान नहीं होने दिया जाएगा। गर्मी में पेयजल की समस्या से निजात दिलाने के लिए एक ओर जहाँ पानी के टैंकर नगरपालिका को सौंपे गए हैं, वहीं दूसरी ओर कोरोना की विपरीत परिस्थिति में गरीबों को राहत देने के लिए निःशुल्क खाद्यान्न प्रदाय करने की व्यवस्था की गई है।

पंचायत एवं मनरेगा

के समस्त अभिलेख के थोक एवं खेरिज विक्रेता

मनीष बंसल

मो.नं. 9755898938

पता-कल्पना नगर मुरार.

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

Whatsapp :- 9425665944, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478